भारतीय राष्ट्रवाद के उदय में "सांस्कृतिक कारणों" का

विषयवार : इसमें बहुत से कारण रहें जिनकी वजह से भारत में राष्ट्रवाद का उदय हुआ, इन सांस्कृतिक कारणों में कुछ ऐसी ब्रिटीश नितीयां भी थीं जो अंग्रेजों ने अपने हितों के

लिए लागू की थी। परन्तु उन नितीयों में एकता की भावनाओं को भी पैदा किया था। जैसे : अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा की शुरुआत करी थी और जैसे भारत में अलग - अलग क्षेत्रों में अलग - अलग भाषाएं बोली जाती थी यह अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रणाली कहीं ना कही एकता की पहचान बनाने में अग्रसर रहा। इसी कारण लोगों में एकता बढ़ने लगी।

इसी कारण यह भी ज्ञात हुआ की विदेशों में हुई क्रांतियां, जिसकी वजह से परोक्ष रूप से एकता बढ़ने लगी। इसी सांस्कृतिक कारणों के फलस्वरूप भारतीयों ने समाचार पत्र और पत्रिकाएं निकालना भी शुरू कर दिया था। जिसके कारण वे अपने विचारों को एक दूसरे के समक्ष रखना प्रस्तुत कर दिया था।

इसके अलावा भारत में रेल का चलाया जाना जो उन्होंने अपने हितों के लिए किया था, उसने भी परोक्ष रूप से भारतीयो में एकता कि भावना को विकसीत किया। जैसे : अंग्रेजों ने रेल को भारत में तैयार हुए कच्चे माल को बंदरगाहों तक लाने और तैयार माल को बंदगाहों से ले जा कर भारत के विभीन्न क्षेत्रों तक ले जाने और अपने संचार माध्यम के लिए शुरू किया था परन्तु इसी रेल व्यवस्था ने भारत को जोड़ने या भारत की राष्ट्रवाद के उत्थान के कारणों में सहायक भूमिका निभायी।

• इसके अलावे बहुत से विभिन्न सांस्कृतिक महोत्सव भी हुए थें जिसकी वजह से लोगों में जुड़ाव हुआ और एकता कि भावना पैदा होने लगी। जैसे की - बालगंगाधर तिलक द्वारा महाराष्ट्र में शिवाजी और गणेश महोत्सव जैसे कार्यक्रम चलाएं गए जिसकी वजह से भी भारतीयों में राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

इन सभी के अलावे कुछ विदेशी कारण भी अप्रत्यक्ष रूप से भारत में राष्ट्रवाद को/के उत्थान को परिलक्षीत किया जिसे संक्षिप्त में जानतें हैं। - जैसे : 1776 - अमेरिका की स्वतंत्रता प्राप्ति, 1789 - फ्रांस की निती, (1894 - 1895) - जापान की चीन पर विजय प्राप्ति, (1904 - 1905) - जापान की रूस पर विजय।

• इन्ही सभी कारणों से भारतवर्ष में राष्ट्रवाद का उदय हुआ जिसमें पाश्चात्य शिक्षा पधती और रेलों का चलाया जाना सर्व प्रमुख था।